# मूत्र नलिका का एक्स-रे

# आर.जी.यू.

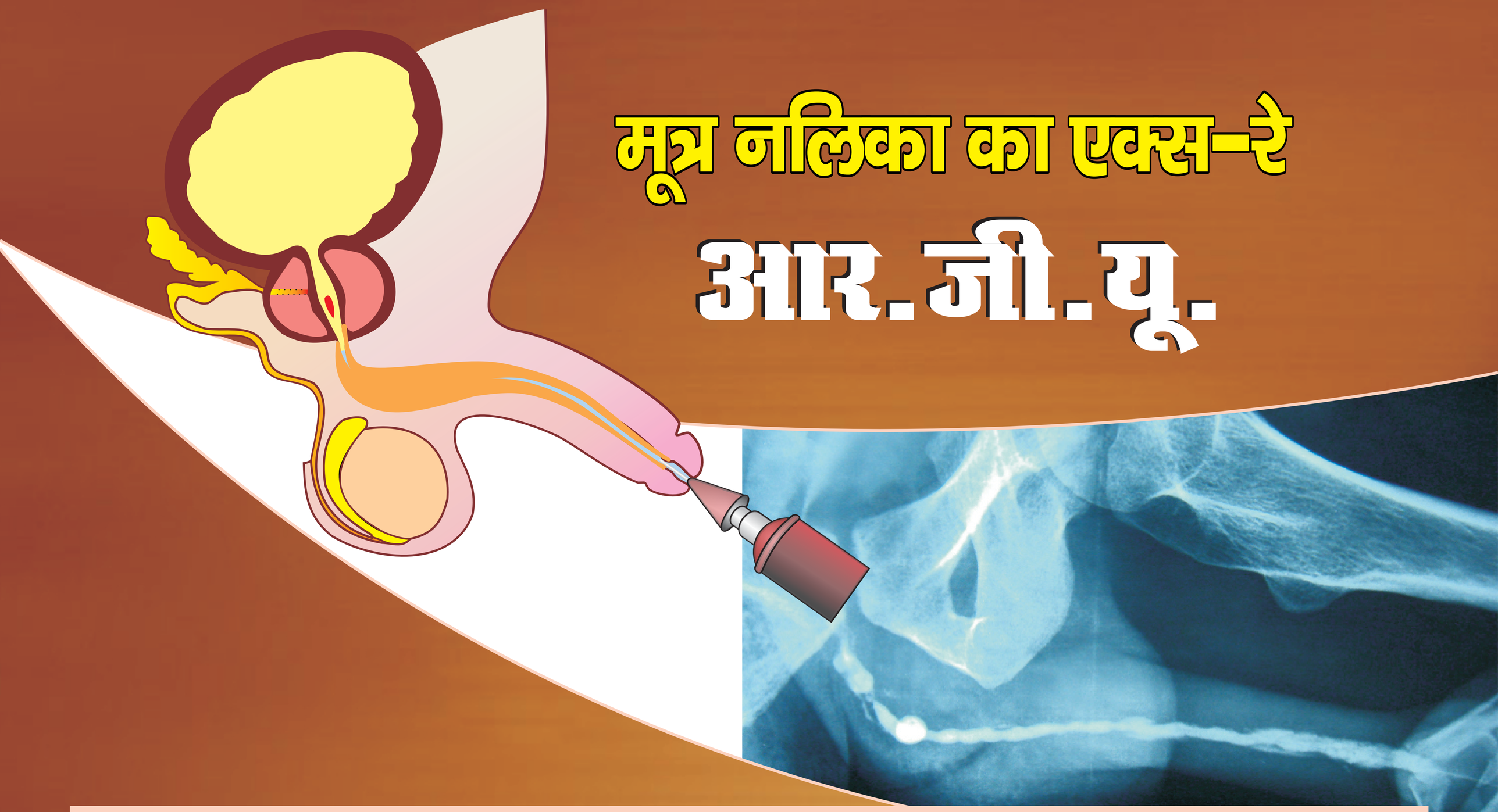



## यह जाँच क्या है एवं इसकी आवश्यकता क्यों होती है?

- यह एक विशेष प्रकार की एक्स-रे जाँच है जिसके द्वारा मूत्र की नली (यूरिथ्रा) के अन्दर थोड़ी सी दवा डालकर उसकी बनावट का एक्स-रे चित्र लिया जाता है एवं उसके रोगों के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर ली जाती है।
- यूरिथ्रा लिंग के अन्दर उपस्थित एक पतली नली होती है जिसके द्वारा मूत्र तथा वीर्य विसर्जित होते हैं।
- यूरिथ्रोग्राम नामक यह जाँच यूरिथ्रा में 'स्ट्रिक्चर' तथा चोट लगे घावों की जाँच के लिये विशेषकर उपयोगी हैं।

## इस जाँच के पहले क्या सावधानियाँ बरतें?

- आपके जननांगों की सफाई इस जाँच के लिये अत्यावश्यक है इसके लिये निम्न कार्य करें:
  - लिंग के आस पास बढ़े बालों को अधिक से अधिक छोटा कर दें।
  - सम्पूर्ण लिंग को, उसके अग्रभाग की त्वचा को पीछे कर, भली-भांति साबुन पानी से धोयें एवं फिर तौलिया या टिशु पेपर से सुखायें।
- इस एक्स-रे के ठीक पूर्व आपको एक एण्टीबायोटिक का इन्जेक्शन दिया जायेगा। हम अधिकांशतः अमीकासिन नामक दवा को प्राथमिकता देते हैं परन्तु यदि आप पहले से ही कोई एण्टीबायोटिक दवा खा रहे हैं तो इसकी आवश्यकता नहीं।
- यदि आपको किसी दवा से एलर्जी है तो एक्स-रे के चिकित्सक को अवश्य बतायें।


SAWAI MAN SINGH HOSPITAL

**यूरोलॉजी विभाग**

सवाई मान सिंह चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर

- यदि आपको पहले से मूत्र त्याग में जलन-दर्द हो रहा हो या मूत्र मार्ग से थोड़ा मवाद या रक्त स्राव हो रहा हो तो कृपया इस एक्स-रे जाँच को स्थगित करे और अपने चिकित्सक से पुनः सलाह मशवरा कर ही यह एक्स-रे करवायें। जब आपकी तकलीफ थोड़ा बेहतर हो तब ही यह जाँच करवायें।

## इस जाँच में क्या किया जाता है?

- एक्स-रे केन्द्र पर आपको अपनी इस जाँच हेतु लिखित सहमति देनी हो सकती है।
- आपको अपने अन्दरूनी वस्त्र उतारकर, एक गाऊन पहनाकर एक्स-रे की मेज पर लिटाया जायेगा। मशीन पर लेटने का तरीका थोड़ा विशेष होता है एवं इस विषय में जैसा एक्स-रे टैक्नीशियन आपको निर्देशित करें, वैसा सहयोगपूर्वक करिये।
- पुरूषों में लिंग के अग्रभाव की त्वचा को पीछे हटाकर, एक कीटाणुनाशक दवा लगाकर मूत्र नलिका के छिद्र को कीटाणुरहित बनाते हैं।
- तदोपरांत एक पतले कैथेटर या एक विशिष्ट प्रकार के नाजल द्वारा, लगभग 10-15 मि0ली0 यूरोग्राफिन दवा का घोल यूरिथ्रा में डाल दिया जाता है।
- सामान्यतः मूत्र नलिका में डाली गयी यह दवा हमारे रक्त संचार में नहीं जाती। अतः इसके द्वारा एलर्जी की सम्भावनाएँ नगण्य हैं एवं इसी कारण इसकी कोई पूर्व एलर्जी जाँच की आवश्यकता नहीं।
- जैसे ही यह दवा यूरिथ्रा के भीतर प्रवेश करायी जाती है, वैसे ही आपको थोड़ा खिंचाव या जलन का आभास हो सकता है। यह क्षणिक होता है एवं इससे निरर्थक विचलित न हों।
- जब दवा सम्पूर्ण मूत्र नलिका (यूरिथ्रा) में भर जाती है तो टैक्नीशियन इसका एक्स-रे खींच लेता है। आपके रोगी की आवश्यकतानुसार, आपके लिंग की स्थिति को परिवर्तित कर, दो या तीन एक्स-रे भी लिये जा सकते है। ठीक प्रकार से एक्स-रे खिंच जाने के बाद, यूरिया में भरी दवाई को बाहर आने दिया जाता है।

## इस जाँच के बाद आपको क्या परेशानियाँ हो सकती हैं?

- कुछ रोगियों में मूत्र छिद्र से थोड़ा रक्त स्राव हो सकता है तथा पेशाब भी रक्त रंजित हो सकती है। अधिक पानी पीने से तथा थोड़ा लेट कर आराम करने से यह स्वतः ठीक हो जाता है।
- एक्स-रे के बाद, तीन-चार बार मूत्र त्याग करते समय कुछ जलन या दर्द का आभास कर सकते हैं। दर्द निवारक दवा एवं एलकलाईन मिक्सचर लेने से यह शीघ्र ठीक हो जाता है।
- कभी-कभी रोगी को हल्का बुखार भी आ जाता है जो एक-दो दिन में ठीक हो जाता है।

**यदि आपको उपरोक्त परेशानियाँ अधिक प्रतीत हो अथवा वे निरन्तर बनी रहें तो अपने चिकित्सक से शीघ्रतशीघ्र सम्पर्क करें एवं समुचित चिकित्सा लें।**